वर्ष-3, अंक-5
इन्दौर, शुक्रवार
6 दिसम्बर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'

मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदाचार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।

–चाणक्य

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

बूंद-बूंद जल बचाने का अभियान प्रशंसनीय : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वर्षा जल को संग्रहित कर भूगर्भ में जल भंडारण क्षमता के विकास के लिए चलाई जा रही 'कर्मभूमि से जन्मभूमि' योजना एक अभिनव पहल है। इस योजना में गुजरात में रहकर व्यापार करने वाले अन्य प्रदेशों के व्यापारियों द्वारा स्वयं के संसाधनों से अपने राज्यों में बोर लगवाने का काम किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के सतना जिले में इस योजनान्तर्गत कार्य आरम्भ हो गया है। प्रसन्नता की बात है कि योजना में पूरे प्रदेश में 15 हजार बोर लगाने का लक्ष्य है। शासकीय संसाधनों के बिना गुजरात व्यापार करने वाले व्यापारियों की भागीदारी से चल रहा बूंद-बूंद जल बचाने का यह अभियान प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को श्रम शक्ति भवन नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल और राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के साथ 'कर्मभूमि से जन्मभूमि' कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन पर त्रिपक्षीय बैठक की। योजना के क्रियान्वयन के लिये बैठक में जिला कलेक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त करने, गुणवत्तापूर्ण

और समयबद्ध तरीके से योजना को पूरा करने और इसके क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं को दूर करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जलसंचय संकल्प को जन-आंदोलन बनाने के क्रम में 'कर्मभूमि से जन्मभूमि' कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। इसमें गुजरात में रह रहे मध्यप्रदेश, राजस्थान और बिहार के व्यवसायी अपनी जन्म भूमि में जल संचय के उद्देश्य से बोर की व्यवस्था कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इसमें राजस्थान में एक लाख 60 हजार और मध्यप्रदेश में 15 हजार बोर बनवाए जाने है। बिहार राज्य के 10 जिलों में प्रत्येक गांव में 4 बोर बनवाए जाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने राज्यों के सहयोग से इस योजना के सफल क्रियान्वयन की आशा व्यक्त की। राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर सूरत के व्यापारियों द्वारा शुरू की गई यह योजना राजस्थान के सिरोही और जोधपुर जिलों में प्रारंभ हो चुकी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राजस्थान राज्य में वाटर रिचार्ज में सहयोग के लिए यह योजना वरदान साबित होगी।

फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

पहली कैबिनेट में मरीज को 5 लाख मदद देने का फैसला

मुंबई। महाराष्ट्र चुनाव रिजल्ट के 13 दिन बाद नई सरकार बन गई है। देवेंद्र फडणवीस ने 10 साल में तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। ऐसा करने वाले वह भाजपा के पहले नेता हैं। शपथ के बाद वे PM मोदी के पास गए और अभिनंदन किया। फडणवीस के बाद पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने डिप्टी CM पद की शपथ ली। शपथ से पहले उन्होंने बालासाहेब ठाकरे और आनंद दिघे का नाम लिया। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह को धन्यवाद दिया। वे राज्य के दूसरे नेता हैं जो ष्टरूके बाद डिप्टी ष्टरूबने। शिंदे के बाद ह्ष्ट्रक्क नेता अजित पवार ने डिप्टी ष्टरू की शपथ ली। वह छठी बार राज्य के डिप्टी ष्टरू

बने हैं। वह महायुति और महाविकास अघाड़ी दोनों गठबंधन की सरकार में डिप्टी ष्टरूरहने वाले महाराष्ट्र के पहले नेता बन गए हैं। शपथ के आधे घंटे बाद फडणवीस, शिंदे और अजित मंत्रालय पहुंच गए। पहली कैबिनेट मीटिंग में देवेंद्र फडनवीस ने पुणे के मरीज चंद्रकांत शंकर कुरहाडे को इलाज के लिए मुख्यमंत्री चिकित्सा राहत कोष से 5 लाख रुपए की सहायता देने का फैसला लिया। शपथ समारोह मुंबई के आजाद मैदान में शाम 5:31 बजे शुरू हुआ, जो करीब 30 मिनट तक चला। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के सामने तीनों नेताओं ने मराठी में शपथ ली। समारोह में क्क्रू मोदी, अमित शाह, नितिन गडकरी के अलावा नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू समेत ह्ष्ठ शासित 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ष्टरू और डिप्टी ष्टरू शामिल हुए।

सस्ता सोना दिलाने ड्राइवर ने रची हत्या की साजिश

खरगोन। खरगोन के बिंजलगांव के जंगल में 9 अक्टूबर को औरंगाबाद के बिल्डर किशोर बाबूराव लोहकरे (40) का मर्डर सस्ते सोने की खरीदी के लालच में हुआ था। खरगोन एसपी ने गुरुवार को मामले का खुलासा किया।बिल्डर के ड्राइवर जावेद शेख ने खंडवा जिले के तोरनी के एक अन्य ड्राइवर तुलसीराम सोलंकी व अन्य 4 लोगों के साथ हत्या की। उन्होंने षड्यंत्र रचकर बिल्डर को देशगांव एरिया में बुलाया व मर्डर कर 10 लाख रुपए आपस में बांट लिए। पहचान छुपाने शव को पेट्रोल डालकर जला दिया था। खरगोन पुलिस ने जावेद व मुकेश को उसी समय गिरफ्तार कर लिया था। अब तक 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले के दो आरोपी अभी भी फरार है। सपी धर्मराज मीना ने बताया कि मृतक किशोर लोहकरे कमलापुर थाना स्ड्ढष्ठष्ट वालूज छत्रपति संभाजीनगर औरंगाबाद का कारोबारी था। वह घटना के दिन औरंगाबाद से अपने ड्राइवर जावेद के साथ तुलसीराम सोलंकी से मिलने खंडवा आया था। पूछताछ में जावेद ने तुलसीराम, मुकेश सोलंकी, कमलेश पाटीदार व सरदार जमरे के साथ मिलकर हत्या कबूल की। पुलिस जावेद और मुकेश को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। फरार तुलसीराम व सरदार जमरे को देशगांव ब्रिज के पास से गिरफ्तार किया है।

श्री सांवलिया सेठ के दरबार में पैसों की भारी बारिश

गिनने में छूट रहा पसीना,बन सकता है रिकॉर्ड

उदयपुर (एजेंसी)। श्री सांवलिया सेठ मंदिर की भंडारे की गिनती अब करीब 21 करोड़ 96 लाख 75000 तक पहुंच गई है खबर लिखे जाने तक यह गिनती जारी है।

बुधवार को चौथे राउंड में करीब 2 करोड़ 73 लाख 90000 रुपए की राशि की गिनती की गई। दान पत्र से निकले हुए रुपए के अलावा भेंट कक्ष में जमा ऑनलाइन रुपय मनी आर्डर का हिसाब अभी बाकी है। साथ ही सोने और चांदी का तोल भी अभी नहीं किया गया है। अभी की काउंटिंग में 3 दिसंबर को 4 करोड़ 27 लाख 80 लाख रुपए की गणना हुई थी, जबकि बुधवार को चौथे राउंड में 2 करोड़ 73 लाख 90 हजार रुपए की गिनती कर दी गई। इस तरह से अभी तक करीब 21 करोड़ 96 लाख और 75000 तक यह नोटों की गिनती पहुंच गई है, लेकिन अभी भी भंडारे की राशि की गिनती बाकी है। सांवलिया सेठ के मंदिर ट्रस्ट से मिली जानकारी के अनुसार, 21 करोड़ रुपए अभी तक की सबसे ज्यादा राशि है। वहीं अभी भी इसकी काउंटिंग बाकी है।

नक्सलियों द्वारा एक दिन में दो पूर्व सरपंचों की हत्या

बीजापुर (एजेंसी)। जिले में नक्सलियों की बर्बरता का एक और मामला सामने आया है। नक्सलियों ने भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत दो पूर्व सरपंचों, सुकलु फरसा और सुखराम अवलम, की निर्मम हत्या कर दी। दोनों को अलग-अलग स्थानों से अगवा किया गया था।

सुकलु फरसा को नक्सलियों ने 2 नवंबर को भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के बिरयाभूमि गांव के रास्ते से अगवा किया। उनकी हत्या के बाद नक्सलियों ने शव पर एक प्रेस नोट छोड़ा, जिसमें आरोप लगाया कि सुकलु फरसा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े थे। नैमेड थाना क्षेत्र के कडेर गांव के पूर्व सरपंच सुखराम अवलम को नक्सलियों ने मुर्गा बाजार से अगवा किया। इसके बाद उनकी भी निर्मम हत्या कर दी गई। सुकलु फरसा की बेटी यामिनी फरसा ने सोशल मीडिया के माध्यम से भावुक अपील की थी कि उनके पिता को रिहा कर दिया जाए।

ज्वलंत समस्याओं के हल की वाट जोहता देश

आजादी पूर्व के जननेताओं की राजनीति और वर्तमान राजनीति में जमीन-आसमान का अंतर है। तब देश के ज्यादातर नेता आजादी को मुख्यउद्देश्य मानकर राजनीति करते थे। ऐसा करते हुए हमारे नेतागण तब अंग्रेजी हुकूमत के जुल्मों-सितम का शिकार होते थे, गोलियां खाते थे या फिर जेल जाया करते थे। इससे उलट आज की राजनीति स्वयं व पार्टी के वर्चस्व को कायम रखने पर केंद्रित होती दिखाई देती है। आजादी के 77 वर्ष बाद भी गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य के मामले राजनीतिक रोटियां सेंकने के काम आ रहे हैं। किसान अपने हालात सुधारने जी-जान से प्रयास करते हैं और समस्याओं के समाधान के लिए सरकार से गुहार भी लगाते हैं। ऐसे में जब उनकी सुनवाई नहीं होती तो वो दिल्ली कूच कर, देश और दुनियां का ध्यान अपनी ओर खींचते नजर आते हैं। मतलब साफ है कि किसानों के मुद्दे पर भी राजनीति होती है और मामला जस का तस खड़ा किसानों को मुंह चिढ़ाता दिखता है। इस सियासी माहौल में मंदिर-मस्जिद मामलों को गरमाने का भी काम बदस्तूर जारी है। उत्तर प्रदेश इसका केंद्र बना हुआ है। अयोध्या राम जन्म भूमि के बाद अब संभल जामा मस्जिद सर्वे पर जो हिंसा हुई है, उसने सभी को हिला कर रख दिया है। इस हिंसा में जहां पांच लोगों ने अपनी जान गंवा दी वहीं शांति बहाली के लिए तैनात पुलिसकर्मी भी बड़ी संख्या में घायल हो गए। हिंसा और पुलिस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में तनाव और मातम का माहौल होने की बात कही जा रही है। इसी बीच कुछ विपक्षी नेताओं ने संभल जाने और हालात का जायजा लेने के साथ ही दुःखियों के आंसू पोंछने और उन्हें ढांढस बंधाने की बात कही, जिसे सरकार व प्रशासन ने सिरे से खारिज कर दिया।

फ्लैश फोटोलिसिस के जनक और नोबेल पुरस्कार विजेता-सर जॉर्ज पोर्टर

जॉर्ज का जन्म 1920 में स्टेन फोर्थ, यॉर्कशायर में हुआ था, वह अपने माता-पिता की एकमात्र संतान थे जिन्होंने बाद में शादी कर ली। उन्होंने गाँव के प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाई की, फिर थॉर्न ग्रामर स्कूल, डोनकास्टर में दाखिला लिया। रसायन विज्ञान के प्रति उनके शुरुआती उत्साह में उनके पिता ने उन्हें प्रोत्साहित किया, जिन्होंने प्रयोगशाला के रूप में उपयोग करने के लिए उनके लिए एक पुरानी बस खरीदी- पचास साल बाद, जॉर्ज ने टिप्पणी की कि उन्हें अभी भी विस्फोटों का बहुत शौक है। इसके अलावा, वह 1938 में रसायन विज्ञान का अध्ययन करने के लिए लीड्स विश्वविद्यालय गए, लेकिन उनकी पढ़ाई तब बाधित हो गई जब उन्हें रडार ऑपरेटर के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए लंका योजना में भर्ती किया गया। इससे भूमध्य सागर में उनकी सैन्य सेवा शुरू हुई , और नावों के प्रति उनका आजीवन प्रेम बना रहा। कैम्ब्रिज 1945 में, जॉर्ज प्रोफेसर रोनाल्ड नॉरिस के साथ पीएचडी करने के लिए कैम्ब्रिज गए। नॉरिस ने जॉर्ज के सामने बनने वाले मिथाइल रेडिकल्स को खोजने की समस्या रखी। , और प्रकाशित जानकारी। जॉर्ज पोर्टर और रोनाल्ड जॉर्ज ब्रेफोर्ड नॉरिश को फ्लैश फोटोलिसिस का जनक माना जाता है सर जॉर्ज पोर्टर जब रॉयल इंस्टीट्यूशन, लंदन के निदेशक थे। आर्क लाइट के साथ फोटोलिसिस मरकरी डाइमिथाइल द्वारा, यह काम नहीं किया क्योंकि निरंतर प्रकाश स्रोत दृश्य एकाग्रता में रेडिकल बनाने के लिए पर्याप्त उज्ज्वल नहीं था। जॉर्ज एक साल तक इस प्रक्रिया से जूझते रहे, जब तक कि राडार पल्स के अपने ज्ञान और युद्धकालीन उपकरणों तक उनकी पहुंच को मिलाकर, उनके पास एक कंडेनसर को डिस्चार्ज करने से उत्पन्न होने वाली प्रकाश की तुलना में कहीं अधिक बड़ी, लंबे समय तक चलने वाली फ्लैश का उपयोग करने के लिए मस्तिष्क तरंग थी। अपने प्रकाश स्रोत के रूप में अक्रिय गैस का उपयोग करके बैंक। उन्होंने नौसेना को कई युद्ध-अवशेष कंसर्टिनास देने के लिए राजी किया, जिसे उन्होंने सर्चलाइट के साथ 2000 माइक्रोकूलम्ब ध्वनि उत्सर्जित करने के लिए फ्री स्कूल लेन प्रयोगशाला के तहखाने में रखा। मिलीसेकंड-लंबे प्रकाश प्रभाव ने कई मुक्त कणों का उत्पादन किया, जिसे उन्होंने एक समय विलंब (यंत्रवत् नियंत्रित) के बाद प्रकाश नमूने के माध्यम से दूसरा जांच प्रकाश भेजकर प्रयोगात्मक रूप से पाया। इस प्रकार फ्लैश फोटोलिसिस का जन्म हुआ जिसके साथ जॉर्ज का नाम हमेशा जुड़ा रहेगा। जैसा कि उन्होंने अपने 1967 के नोबेल संगोष्ठी भाषण में बताया था, इस प्रक्रिया की एक विशेष ताकत बहुत ही कम समय में बड़ी गड़बड़ी पैदा करने की क्षमता है। दरअसल, जॉर्ज ने एसीटोन में फ्लैश फोटोलिसिस का पहला प्रयोग किया, जिसके परिणामस्वरूप न केवल एसीटोन का पूर्ण ऑक्सीकरण हुआ, बल्कि पूरे प्रतिक्रिया पोत में कार्बन फाइबर का जमाव भी हुआ। उन्होंने सीआईओ और अन्य अकार्बनिक रेडिकल्स का अध्ययन किया, फिर विभिन्न प्रकार के कार्बनिक अणुओं का अध्ययन किया, और ऐतिहासिक प्रयोगों की एक श्रृंखला में उनकी फोटोकैमिकल प्रतिक्रियाओं के लिए मुक्त रेडिकल मार्ग स्थापित किए। जॉर्ज की उपलब्धियों में से एक त्रिक अवस्था की प्रत्यक्ष खोज थी। यद्यपि त्रिक कम तापमान पर लंबे समय तक जीवित रहते हैं, और उनके फॉस्फोरसेंस को 1944 में लुईस और कीशा द्वारा ठोस ग्लास में देखा गया था, वे कमरे के तापमान पर बहुत अल्पकालिक होते हैं, और इसलिए अदृश्य होते हैं। 1952 में, जॉर्ज और उनके छात्र मौरिस विंडसर ने तरंग दैर्ध्य को 25 तक सीमित कर दिया, और जल्दी से यह पता लगाने में सफल रहे कि 200 मनुष्यों में एन्थ्रेसीन का विघटित रूप है, और ट्रिपल अवशोषण स्पेक्ट्रम का पहला रिकॉर्ड बनाने में सफल रहे. एक लंबे गर्म प्रतिक्रिया पोत का उपयोग करते हुए, जॉर्ज और फ्रैंक राइट ने कई अन्य तीन राज्यों के अवशोषण स्पेक्ट्रा को मापा, जिससे कार्बनिक फोटोकैमिस्ट्री के बड़े पैमाने पर फोटोसेंसिटाइजेशन, एक्साइटन गठन और ट्रिपल ऊर्जा हस्तांतरण, शमन और संबंधित क्षेत्रों को स्पष्ट करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। शेफ़ील्ड जॉर्ज ने 1954 में ब्रिटिश रेयॉन रिसर्च एसोसिएशन के सहायक निदेशक के रूप में विथेनशॉ, मैनचेस्टर में एक वर्ष बिताने के लिए कैम्ब्रिज छोड़ दिया, जहाँ उन्होंने पेंटिंग का अध्ययन किया. द्वितीय विश्व युद्ध में रॉयल नेवल वालंटियर रिजर्व के रडार अधिकारी के रूप में पहला ट्रिपल-ट्रिपल अवशोषण खोजा था स्पेक्ट्रम सूरज की रोशनी में रंगे सेल्युलोज कपड़ों की फोटोग्राफी, एक समस्या जिसे उन्होंने और कीथ ब्रिज ने ट्रिपलेट द्वारा शुरू की गई हाइड्रोजन प्रतिक्रिया से खोजा था। हालाँकि, उन्होंने पाया कि व्यावसायिक वातावरण की सीमाएँ थीं, इसलिए जब 1955 में शेफ़ील्ड विश्वविद्यालय से भौतिक रसायन विज्ञान के पहले प्रोफेसर बनने का निमंत्रण आया, तो उन्होंने स्वीकार कर लिया और 1963 तक इस पद को बरकरार रखा, जब वह रॉबर्ट हेवर्थ के बाद प्रमुख बने। जॉर्ज ने सैद्धांतिक अनुसंधान और संबंधित शिक्षण की एक पूरी तरह से नई लाइन भी पेश की, और अपने दौरान कार्यकाल के दौरान, उन्होंने छात्रों की नियुक्ति के माध्यम से इस वैज्ञानिक क्षेत्र के विस्तार का निरीक्षण किया। शेफ़ील्ड में, जॉर्ज और उनकी टीम ने कार्बनिक अणुओं, विशेष रूप से कीटोन्स (फ्रैंक विल्किंसन, पॉल सुप पैन और एलन बेकेट के साथ) और क्विनोन (टेड लैंड और डेविड केम्प के साथ) की इमेजिंग पर अग्रणी काम जारी रखा।

देवेंद्र फडणवीस भाजपा के लिए चाणक्य बन चमक रहे हैं

ललित गर्ग

महाराष्ट्र में सरकार गठन की राजनीति में दस दिन की सघन वार्ताओं और खासी नाटकीयता के बाद आखिर अंधेरा छंट गया और देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये हैं। हार का कारण स्वयं को मानने एवं जीत का श्रेय पार्टी एवं सहयोगी दलों को देने की विराट सोच रखने वाले फडणवीस को अब भाजपा के शीर्ष नेताओं में शुमार किया जाने लगा है। फडणवीस ने राजनीति के चाणक्यों के चक्रव्यूहों को कुछ ऐसा भेदा कि लोग उन्हें आधुनिक अभिमन्यु भी कहने लगे। बात सही भी है फडणवीस अब किसी चक्रव्यूह में फंसते नहीं बल्कि उसे भेदकर बाहर निकलते हैं। सामने कोई भी हो शह और मात के खेल में उनकी जीत अब गारंटी बन चुकी है। वे भाजपा के लिए चाणक्य हैं तो विपक्ष के लिए अबूझ पहेली। पिछले एक दशक से महाराष्ट्र की राजनीति उनके ही इर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसे कद्दावर राजनेता के नेतृत्व में निश्चित ही अगली पारी सफल होने वाली है। बावजूद इसके विशाल बहुमत वाली इस सरकार के मुखिया के तौर पर फडणवीस की यह पारी किसी भी रूप में कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। फिर भी महाराष्ट्र को राजनीतिक स्थिरता और विकास के नए दौर में ले जाने की जिम्मेदारी निभाते हुए वह हर चुनौती के पार जायेंगे, लोगों ने उनकी पार्टी और सहयोगी दलों पर जो भरोसा जताया है, महायुति सरकार उनकी उम्मीदें पूरी करके एक नये इतिहास का सृजन करेंगी, इसमें कोई शंका दूर तक नजर नहीं आती।

तीसरी बार मुख्यमंत्री का ताज पहनने वाले देवेंद्र फडणवीस ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, दूरदर्शी नायक एवं महाराष्ट्र-निर्माता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर अनेक राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फडणवीस यह नाम महाराष्ट्र राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये महाराष्ट्र के निर्माता, कुशल प्रशासक के साथ-साथ राजनीति को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग हैं, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, प्रशासक और राजनेता हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। महाराष्ट्र राजनीति की एक खास स्थिति जहां सहयोगी दलों की आकांक्षाओं का ध्यान रखने और उन्हें यथासंभव संतुष्ट रखने की जरूरत से जुड़ी चुनौती है वहीं आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति से जुड़े दलों पर बेहतर प्रदर्शन की बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि पहली चुनौती मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे को संतोषजनक ढंग से निपटाने की है। एक बड़ी चुनौती महाराष्ट्र में भाजपा की ताकत को बलशाली बनाने की भी है। इन सब चुनौतियों एवं परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाने एवं उनसे पार पाने की क्षमता फडणवीस में दिखती है। जो व्यक्ति 2022 में एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री की बजाय उपमुख्यमंत्री की भूमिका मंजूर कर लेता है, पद से ज्यादा पार्टी हित को सामने रखता है, विशिष्ट परिस्थितियों में पार्टी के आग्रह पर न केवल सरकार का सुचारू संचालन सुनिश्चित करता है बल्कि चुनाव में पार्टी की अगुआई करते हुए उसे शानदार जीत भी दिलाता है, तो उन्हें मुख्यमंत्री की भूमिका सौंपी जा रही है तो अपनी पात्रता तो वह पहले ही अच्छी तरह सिद्ध कर चुके हैं, अब तो शासन के नये मानक गढ़ने है।

यह स्पष्ट है कि देवेंद्र फडणवीस के राजनीतिक जीवन के नए दौर की शुरुआत संभावनाभरी है। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने अपने भाषण में हिंदवी स्वराज से लेकर अहिल्याबाई होलकर का नाम लेकर अपनी राजनीतिक धारा को बिल्कुल स्पष्ट किया। चुनाव प्रचार के दौरान भी उनकी छवि आत्मविश्वास से भरे हिंदुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं और उनको समर्थन देने वाले महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर प्रहार से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक धारा के अनुरूप बनाई। चुनाव के समय लगा था कि एक हैं तो सेफ हैं और बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर महायुति में मतभेद के बावजूद उन्होंने गजब का संतुलन बनाते हुए इन नारों के बल पर महायुति की जीत को उच्च शिखर देकर सबको आश्चर्यचकित किया। महायुति सरकार की नई पारी पिछली पारी जैसी सहजता और स्थिरता दिखा पाएगी या नहीं यह सवाल तो खड़ा ही है, लेकिन इस सवाल को नकारते हुए नयी सरकार अपना पूरा कार्यकाल उतार-चढ़ाव के बावजूद निष्कंटक पार करेगी। दो पुरानी और सुगठित राजनीतिक पार्टियों में हुई असाधारण तोड़फोड़ के परिणास्वरूप बनी महायुति ने हालांकि 2024 विधानसभा चुनावों में अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है और इसलिए अब इसे किसी भी रूप में कृत्रिम गठबंधन नहीं कहा जा सकता। फिर भी नए मुख्यमंत्री और भाजपा नेतृत्व को सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने और किसी भी असंतोष से बचने पर खास ध्यान देना होगा।

फडणवीस का राजनीतिक जीवन अनेक विशेषताओं एवं उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से उसकी शुरुआत की। उनके पिता स्व. गंगाधरराव फडणवीस विधान परिषद सदस्य थे। लेकिन इस राजनीतिक विरासत का सहारा लेने के स्थान पर फडणवीस ने अपनी खुद की पहचान बनाई। सामान्य कार्यकर्ता की तरह खुद को तराशा। वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया।

2014 में पहली बार महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने के बाद फडणवीस अपनी कल्पनाशीलता, दूरदर्शिता, दृढ़संकल्प, राजनीतिक कौशल एवं अभिनव परियोजनाओं के माध्यम से उन्होंने अपनी असीम क्षमताओं को आकार दिया। उनकी नेतृत्व क्षमता और लोकप्रियता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2014, 2019 और 2024 के विधानसभा के चुनाव भाजपा ने फडणवीस के नेतृत्व में लड़े और शानदार प्रदर्शन किया, तीनों बार भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। 2019 में उनके नेतृत्व में भाजपा की चुनावी जीत के बावजूद अविभाजित शिवसेना के मुखिया उद्धव ठाकरे की जिद के कारण वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाए, हालांकि राकांपा नेता अजित पवार के साथ मिलकर उस वक्त उन्होंने तीन दिन की सरकार जरूर बनाई। यह प्रयोग विफल होने के बाद उनके विरोधियों ने उनकी रणनीतिक क्षमता पर सवाल भी उठाए थे लेकिन देवेंद्र फडणवीस को अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा था और उन्होंने कहा भी था कि वे पूरे जोश से आयेंगे, तमाम तूफानों के बीच से विजेता की तरह फिर उभरेंगे। ऐसा उन्होंने करके दिखाया। भाजपा को प्रचंड बहुमत दिलाने के बावजूद फडणवीस को मुख्यमंत्री पद हासिल करने के लिए खासी जद्दोजहद करनी पड़ी है। भाजपा के प्रदर्शन में फडणवीस ने अपने योगदान का पुरजोर दावा किया है। वे चुनाव-प्रचार अभियान के दौरान पार्टी का मुख्य चेहरा थे और उन्होंने राज्य के सभी छह क्षेत्रों में 64 रैलियां कीं। उनको मिली शानदार सफलता में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उन्हें मिला अटूट समर्थन था।

संघ इस बात पर अड़ा हुआ था कि भाजपा को कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा रखने के लिए इस बार मुख्यमंत्री पद के लिए राजस्थान, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश की तरह लो-प्रोफाइल नेता नहीं चाहिए और फडणवीस ही इस पद के लिए उसकी पहली पसंद हैं। शाह, योगी और फडणवीस- इन तीनों के सामने अभी बहुत वर्षों की राजनीति शेष है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर बढ़ते हुए फडणवीस को ऐसे सर्वमान्य व्यक्ति के रूप में देखा जाता है, जो खींचतान और दबाव के बीच संतुलन बनाए रखते हैं, उनमें हर बड़ी-से-कड़ी जिम्मेदारी को निभाने की क्षमता है। इस विधा में उनके कौशल का परीक्षण अब महाराष्ट्र में तीन-पक्षीय गठबंधन सरकार के नेतृत्व से होने जा रहा है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

राष्ट्रीय जनभावना

इन्दौर शहर कांग्रेस की परम्परा नुसार संगठन बैठक में हुई जूतम पैजार

इन्दौर । इन्दौरी कांग्रेसियों ने अपनी परम्परानुसार एक बार फिर प्रभारियों के सामने ही संगठन बैठक में आपस में जूतम पैजार शुरू कर दी। जिसके बाद मामला थाने तक पहुंच गया पुलिस ने चोटग्रस्त नेताओं का मेडिकल कराया जिसके बाद अब समझौते की बात शुरू हो गई है। मामला पंढरीनाथ थाना क्षेत्र स्थित कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन का है जहां आज शहर कांग्रेस संगठन ने इंदौर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक दो के कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई थी। बैठक में प्रभारियों के सामने ही इंदौर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे और आईटी सेल यूथ कांग्रेस शहर प्रभारी दीपक सोनवाने में कहासुनी और विवाद के बाद उनके समर्थकों में मारपीट के साथ जूते चप्पल चल गये। विवाद के कारण को लेकर बताया जा रहा है कि इन्दौर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे के भाषण के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता बसंत पाटिल बोले कि ये तो बीजेपी से मिले हुए हैं। हर महीने इनको बंधा हुआ पैसा निगम से मिलता है, यह क्या करेंगे। पाटिल की इस बात का अन्य नेता और कार्यकर्ता समर्थन करने लगे जिस पर चिंटू चौकसे और उनके समर्थक नाराज हो गए तथा कहासुनी और विवाद की शुरुआत हो मामला मारपीट में बदल जूते चप्पल फेंका फांकी शुरू हो गई। और इसके बाद रिपोर्ट लिखाने कार्यकर्ता थाने पहुंचे। बैठक में प्रभारियों के सामने कांग्रेस कार्यकर्ताओं की इस जूतम पैजार पर दीपक सोनवाने का कहना है कि इंदौर विधानसभा-2 की संगठन बैठक चल रही थी। मैंने तो कुछ बोला भी नहीं। वहीं चिंटू चौकसे ने मुझसे पुरानी खुन्नस निकाली । इन्होंने मेरा टिकट कटवाया था। चिंटू ने मेरी पसली में जूता मारा और लात मारी है। विधानसभा में यह 1.07 लाख रिकॉर्ड मतों से हारे हैं, लेकिन इनके खिलाफ कुछ बोलो तो धमकियां मिलती हैं कि घर से उठवा लेंगे या जान से मरवा देंगे। वहीं चिंटू चौकसे का कहना है कि यह परिवार का मामला है, कुछ नहीं हुआ है। कांग्रेस में सभी को बोलने का अधिकार है, लेकिन आरोपों में तथ्य होना चाहिए। ऐसे ही कुछ नहीं बोला जाता है। नेताओं के बयानों से अलग पंढरीनाथ थाना प्रभारी कपिल शर्मा के अनुसार दोनों पक्षों के कार्यकर्ता थाने आए थे। एक पक्ष से दीपक और दूसरे पक्ष से संदीप को चोट आई है। दोनों का मेडिकल कराया है। अब दोनों पक्षों के नेता समझौते की बात कह रहे थे। अगर शिकायत आती है, तो एक्शन लिया जाएगा।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज संभाग स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में आईजी श्री अनुराग, सीसीएफ श्री रमेश गणावा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि वन क्षेत्र में अतिक्रमणकारियों की बेदखली के लिए प्रशासन, पुलिस और वन विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि वन्य प्राणियों के वन क्षेत्र से राजस्व क्षेत्र में आने के दौरान रेस्क्यू ऑपरेशन और कानून व्यवस्था के लिए तत्काल और उचित प्रबंध किए जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि वनक्षेत्र सीमा में लगे राजस्व क्षेत्र में बिना मुंडेर के कुँओं पर मुंडेर बनाने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सहयोग से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि वन्य क्षेत्र में नियमित मॉनिटरिंग रखी जाए। कहीं भी वन्य प्राणियों के शिकार की घटना न हो।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण

अधिनियम 1989 अंतर्गत राहत की अद्यतन स्थिति की समीक्षा बैठक हुई

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 अंतर्गत राहत की अद्यतन स्थिति की संभाग स्तरीय समीक्षा संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेस के माध्यम से हुई। बैठक में आईजी श्री अनुराग, सीसीएफ श्री रमेश गणावा, संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री ब्रजेश पांडे उपस्थित थे। बैठक में इंदौर संभाग के समस्त जिले के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक गण सहित अन्य अधिकारीगण वीसी के माध्यम से वर्चुअली उपस्थित थे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उक्त बैठक खंड स्तर पर भी प्रति तीन माह में आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत राहत राशि वितरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने पीड़ित व्यक्तियों तथा उनके परिवार के सदस्यों के जाति प्रमाण पत्र अभियान चलाकर बनवाए जाने की कार्रवाई संबंधित निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक जिले में प्रकरणवार समीक्षा के निर्देश देते हुए अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने पुलिस विवेचना में विवेचना और अनुसंधान में लंबित प्रकरणों की भी जिलेवार समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह के निर्देश पर आरटीओ इंदौर की यात्री बसों पर कार्यवाही

20 से अधिक वाहनों से वसूला 60 हजार रुपये से अधिक का जुर्माना

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। इंदौर में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर लोक परिवहन वाहनों बसों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। इस अभियान के तहत आज क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के उड़नदस्ते द्वारा वाहनों की विशेष चेकिंग की गई। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों बसों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है, जिसमें वाहनों के फ़िटनेश, परमिट, बीमा, क्ष्ट, कर प्रमाण पत्र, बसों में ओवरलोडिंग ,अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। लोगों को अपने वाहनों पर ॥स्त्रक्ष नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। वाहन की गति ,स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि आज विशेष रूप से इंदौर से पीथमपुर, इंदौर से मानपुर इंदौर से इंडोरामा रूट की बसों की चेकिंग की गई । यात्रियों से अधिक किराया लेने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने परमिट शर्तों का उल्लंघन करने, बसों में विभिन्न कमियां पाए जाने पर 20 से अधिक वाहनों पर जुर्माना लगाया गया । साथ ही 02 स्कूली वाहन मैजिक ओमनी वाहन बिना दस्तावेज के संचालित पाए जाने से इन्हें जब्त किया गया।

इंदौर नगर (मेट्रोपोलिटन एरिया) में चाइनीज़ धागे का उपयोग रहेगा प्रतिबंधित - आदेश जारी

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने इंदौर नगर (मेट्रोपोलिटन एरिया) में चाइनीज़ धागे के उपयोग पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 अंतर्गत जारी किया गया है। इस आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत कार्यवाही की जाएगी। इन्दौर नगर (मेट्रोपोलिटन एरिया) की सीमा में चाइना धागे व घातक मांझे का पतंगबाजी में उपयोग करने से कानून एवं व्यवस्था तथा स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की स्थिति को रोकने व आमजन के जान-माल को आसन्न खतरा उत्पन्न होने की स्थिति को रोकने हेतु चाइना धागे एवं घातक मांझे का उपयोग, विक्रय एवं भण्डारण को प्रतिबंधित किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है। यह आदेश जारी दिनांक से 30 जनवरी 2025 तक लागू रहेगा। इस आदेश अथवा इस आदेश के किसी अंश का उल्लंघन करना अन्य अधिनियमों के साथ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध रहेगा।

महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन (निवारण, प्रतिषेध, प्रतितोष) अधिनियम 2013 अंतर्गत कार्यशाला 07 दिसम्बर 2024 को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष 210 में आयोजित की गई है। यह कार्यशाला जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिये चलाये जा रहे जागरुकता अभियान तथा महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न रोकने के विषय पर होगी।

सी.एच.ओ. की गेटकीपर ट्रेनिंग आयोजित हुई

इंदौर । राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तत्वाधान में आज सी.एम.एच.ओ. डॉ. बी.एस. सैत्या तथा सिविल सर्जन डॉ.जी.एल.सोडी के मार्गदर्शन में मनकक्ष टीम द्वारा जिले के सी.एच.ओ. की प्रथम बैच की गेटकीपर ट्रेनिंग हुई । प्रथम बैच की ट्रेनिंग के उद्घाटन सत्र को डॉ. सैत्या, मनोचिकित्सक एवं प्रभारी मनकक्ष डॉ. बलराम पाटीदार एवं क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट पूर्णिमा सोनकर द्वारा संबोधित किया । प्रशिक्षण में आत्महत्या के कारणों, जोखिम कारकों एवं गेटकीपर के रूप में की जाने वाली कार्यवाही के बारे जानकारी दी गई । प्रशिक्षुओं को मनकक्ष, टेली मानस एवं मनहित एप्प के बारे में बताया गया । प्रशिक्षण में बताया गया कि जिले में 10 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से सभी सी.एच.ओ., आशा सुपरवाइजर एवं ए.एन.एम. को गेटकीपर के रूप में प्रशिक्षण दिया जाएगा ।

आलीराजपुर जिले के कठ्ठीवाडा में वृहद स्वास्थ्य शिविर 08 दिसम्बर को

विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों का किया जायेगा निःशुल्क इलाज

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरस्थ ग्रामीण अंचलों के रहवासियों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की मंशा को साकार रूप देने के लिये संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर इंदौर संभाग के दूरस्थ क्षेत्रों में वृहद स्तरीय स्वास्थ्य शिविरों की श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला के तहत आलीराजपुर जिले के कठ्ठीवाडा के कन्या परिसर मोटीबडोई में वृहद स्तरीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 08 दिसम्बर को रखा गया है। इस शिविर में इंदौर के मेडिकल कॉलेजों, इससे जुड़े अस्पतालों और अन्य शासकीय तथा अशासकीय अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सक शिविर में पहुंचेंगे तथा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे। शिविर के माध्यम से निःशुल्क दवाईयां देकर उपचार किया जायेगा। साथ ही मरीजों की आवश्यकता के अनुसार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा विभिन्न तरह की निःशुल्क जांचें भी की जायेगी। शिविर के माध्यम से ऐसे मरीज जो गंभीर/जटिल बीमारी से पीड़ित है, उनका चिन्हांकन कर लगातार फॉलोअप और मॉनिटरिंग भी की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार इंदौर में उनका उपचार/आपरेशन भी कराया जायेगा। शिविर में मरीजों के पंजीयन के लिए ऑनलाइन व्यवस्था भी रहेगी। साथ ही पंजीयन के लिए पर्याप्त स्टॉल भी रहेंगे। चिन्हित मरीजों का वैज्ञानिक रूप से डाटाबेस तैयार कर उनकी लगातार मॉनिटरिंग और फॉलोअप किया जायेगा। इसके लिए एक विशेष पोर्टल एवं एप भी तैयार किया जा रहा है। इसमें मरीज और उनकी बीमारी तथा उसे उपलब्ध उपचार की जानकारी रहेगी। मरीजों को कैम्प तक लाने ले जाने की व्यवस्था की जायेगी। स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न बीमारियां जैसे- कैंसर, सिकलसेल, टीबी, लेप्रोसी, सिलोकोसिस, दंत, नेत्र सहित अन्य गंभीर बीमारियों से प्रभावितों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा। शिविर में मरीजों को विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करायी जाएगी। दवाओं का निःशुल्क वितरण भी किया जायेगा। शिविर में चिन्हांकित विभिन्न बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों के इलाज, ऑपरेशन आदि की आगे की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जायेगी। कठ्ठीवाडा के मोटीबडोई में आयोजित होने वाले स्वास्थ्य शिविर में एमजीएम मेडिकल कॉलेज इंदौर, इंडेक्स मेडिकल कॉलेज, चोईथराम नेत्रालय, आयुष महाविद्यालय, इंदौर कैंसर फाउंडेशन, विशेष जुपिटर अस्पताल, मेदांता अस्पताल, केयर सीएचएल अस्पताल, एलएनसीटी चिकित्सा महाविद्यालय, वर्मा यूनियन हॉस्पिटल तथा एशियन कैंसर इंस्टीट्यूट इंदौर सहित अन्य शासकीय एवं अशासकीय अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सक मौजूद रहेंगे। शिविर में विभिन्न सामान्य बीमारियों और गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क इलाज करेंगे। कैम्प आयोजन के पश्चात मरीजों का फॉलोअप अनिवार्य रूप से करने के निर्देश चिकित्सकों को दिए गए है। शिविर में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ दिव्यांगजनों के मेडिकल प्रमाण पत्र, सामाजिक न्याय विभाग की योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किये जाएंगे। शिविर में आयुर्वेद विभाग द्वारा भी अपनी सेवाएं दी जाएंगी।

बिजासन टेकरी क्षेत्र एवं नेनोद ग्राम पंचायत क्षेत्र में सफाई अभियान नियमित रूप से संचालित हो

कचरा फेंकने वालों पर स्पॉट फाइन की कार्रवाई की जाए - संभागायुक्त श्री सिंह

संभागायुक्त श्री सिंह की अध्यक्षता में विमानतल पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक हुई

इंदौर , राष्ट्रीय जनभावना। विमानतल पर्यावरण प्रबंधन समिति की बैठक संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि एयरपोर्ट परिसर और परिधि क्षेत्र में सुरक्षा सहित सफाई और पर्यावरणीय मानकों का पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि बिजासन टेकरी क्षेत्र एवं नेनोद ग्राम पंचायत क्षेत्र में सफाई अभियान नियमित रूप से संचालित हो। कचरा फेंकने वालों पर स्पॉट फाइन की कार्रवाई की जाए। आमजन सहित क्षेत्र में दुकानदारों को स्वच्छता के लिए जागरूक किया जाए। उक्त क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाकर सतत निगरानी भी रखी जाए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, आईडीए सीईओ श्री राम प्रकाश अहिरवार, एडीएम श्री रौशन राय, देवी अहिल्याबाई होल्कर एयरपोर्ट के निदेशक श्री वीके सेठ, एयरपोर्ट सेफ्टी मेनेजर श्री सुमित कुमार तिवारी, सहित बीएसएफ, पीएचई, पीडब्ल्यूडी, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने एयरपोर्ट क्षेत्र में पर्यावरणीय सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। उन्होंने एयरपोर्ट परिसर में सुरक्षा संबंधित किये जाने वाले प्रबंधों की भी समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि एयरपोर्ट और विमानों के सुरक्षा मानकों अनुसार निर्धारित क्षेत्र में तय मानकों और अनुमति से अधिक हाईट की बिल्डिंगें हैं, जिनके कारण विमान सुरक्षा को लेकर कोई समस्या हो ऐसे निर्माण को हटाने की कार्रवाई की जाए। इसके लिए टीम के द्वारा सर्वे किया जाकर ऐसे भवनों को चिन्हांकित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि इसके लिए अनावश्यक किसी को परेशानी ना हो। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि एयरपोर्ट पर वीआईपी आगमन के दौरान बेहतर सुरक्षा और प्रबंधों को सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने टारमेंट क्षेत्र में भी आवश्यक प्रबंध संबंधी निर्देश दिए।

राज्य सरकार का एक वर्ष - जनकल्याण पर्व के रूप में मनाया जाएगा-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य शासन के एक वर्ष पूर्ण होने पर पूरे प्रदेश में 11 से 26 दिसंबर तक जनकल्याण पर्व मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत सभी जिलों में महिला, किसान, युवा और गरीब कल्याण सहित विकास से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि कार्यक्रमों के आयोजन के लिए मंत्रियों की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समितियां बनाई गई हैं। किसानों के लिए गठित समिति का अध्यक्ष किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंसाना को, युवाओं से जुड़ी समिति का अध्यक्ष नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय को, गरीब कल्याण से जुड़ी समिति का अध्यक्ष पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल को और महिलाओं से जुड़ी समिति का अध्यक्ष महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया को बनाया गया है। संबंधित मंत्रीगण पूरे प्रदेश में कार्यक्रम के आयोजित के संबंध में विस्तृत रूपरेखा तैयार कर उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 11 दिसंबर को भोपाल एवं सभी जिलों में गीता जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार ग्वालियर में 15 से 19 दिसंबर तक तानसेन समारोह आयोजित होगा।

शासकीय उद्यान फलबाग एवं उद्यान रेसीडेंसी इन्दौर की अमरूद फलबहार विक्रय के लिए निविदा आमंत्रित

इन्दौर, राष्ट्रीय जनभावना। उप संचालक उद्यान श्री डी.एस. चौहान ने बताया कि फलबहार क्रेता एवं व्यापारियों शासकीय उद्यान फलबाग एवं शासकीय उद्यान रेसीडेंसी इन्दौर की वर्ष 2024-25 की अमरूद फलबहार विक्रय हेतु मुहरबंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित कर विक्रय की कार्यवाही की जाना है।

इसके लिए इच्छुक केतागण कार्यालयीन समय में रोपणियों में स्थित अमरूद फलबाग को अवलोकन कर एवं जारी शर्तों का अध्ययन करने के उपरांत कार्यालय उद्यान विकास अधिकारी शासकीय उद्यान फलबाग अर्जुनगर अवासा टाउनशिप के सामने ए.बी. रोड इन्दौर एवं कार्यालय उद्यान विकास अधिकारी शासकीय उद्यान रेसीडेंसी इन्दौर में निर्धारित शुल्क 100 रुपये जमा कर निविदा पत्रक क्रय करने के उपरांत प्रस्तुत कर सकते है। उन्होंने बताया कि शासकीय उद्यान फलबाग इन्दौर में 11 दिसम्बर 2024 को समय दोपहर 3 बजे एवं शासकीय उद्यान रेसीडेंसी इन्दौर में 12 दिसम्बर 2024 को समय दोपहर 3 बजे जिला कार्यालय द्वारा गठित दल के द्वारा निविदाकर्ताओं के समक्ष प्राप्त निविदाएं खोली जायेगी। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय उद्यान विकास अधिकारी अथवा उप संचालक उद्यान कार्यालय से संपर्क कर सकते है।

जावरा की हुसैन टेकरी से चुराए गए दो नन्हे बच्चे पांच दिन में सकुशल बरामद

रतलाम। जिले के जावरा में हुसैन टेकरी से पांच दिन पूर्व चुराए गए दो नन्हे बच्चो को पुलिस ने राजगढ़ जिले के ब्यावरा से सकुशल बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। चुराए गए बच्चो को पहले गुजरात के अहमदाबाद में बेचा जाना था। पुलिस ने इस पुरे मामले में गुजरात निवासी नर्स समेत कुल आठ आरोपियों को अलग अलग स्थानों से गिरफ्तार किया है,आरोपियों में एक विधि विरुद्ध बालक भी शामिल है। एसपी अमित कुमार ने सफलता अर्जित करने वाली पुलिस टीम को तीस हजार रु का नगद पुरस्कार देने की अनुशंसा भी की है।

एसपी अमित कुमार ने गुरुवार को नए पुलिस कंट्रोल रूम पर पूरे मामले का खुलासा किया। 30 नवंबर को जावरा औद्योगिक क्षेत्र थाने पर एक महिला ने आकर शिकायत दर्ज कराई कि वह अपने परिवार सहित हुसैन टेकरी मेला मैदान में झोपड़ी बनाकर रहती है। अज्ञात बदमाश उसकी 1 साल की बच्ची और 8 साल के बच्चे का अपहरण कर ले गए हैं। महिला की शिकायत पर जावरा पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

तत्काल एक्शन में आए एसपी अमित कुमार

दो बच्चों के गायब होने की जानकारी मिलते ही एसपी अमित कुमार तत्काल एक्शन में आए। उन्होंने एएसपी राकेश खाखा और जावरा सीएसपी दुर्गेश आर्मो के मार्गदर्शन में अपहृत बच्चों की बरामदगी के लिए टीम का गठन किया।

बिस्कुट खिलाकर अपने साथ ले गए आरोपी

एसपी अमित कुमार ने बताया कि टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे को चेक करना शुरू किया। सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से संदिग्धों की पहचान कर राजगढ़ जिले के ब्यावरा से संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और दोनों बच्चों को सकुशल बरामद किया गया।एसपी ने बताया कि आरोपी बच्चों को बिस्किट खिलाकर बहला फुसलाकर अपने

साथ ले गए थे।

यह आरोपी हुए गिरफ्तार

बबली पति सलीम 40 साल निवासी झालावाड़ राजस्थान

नासरा बी पति फारूक 24 साल निवासी झालावाड़ राजस्थान

मोहम्मद हनीफ पिता अब्दुल रशीद 50 साल निवासी झालावाड़ राजस्थान

राशिद शाह पिता शफीक शाह 40 साल निवासी झालरापाटन राजस्थान

जुलेखा पति राशिद शाह 40 साल निवासी झालरापाटन राजस्थान

मेहजबिन बी पति अशफाक खान 34 साल निवासी मेहसाना गुजरात

एक विधि विरुद्ध बालक

यह था पूरा मामला

एसपी अमित कुमार ने बताया कि आरोपी राशिद शाह पूरे मामले का मास्टरमाइंड है। गुजरात की रहने वाली मेहजबीन जो एक डॉक्टर के क्लीनिक पर नर्स है, उसने राशिद को बच्चा उपलब्ध कराने के लिए बोला था। मेहजबीन को यह बच्चा किसी निःसंतान दंपति को बेचना था। बच्चों की डिमांड आने पर राशिद और उसकी पत्नी जुलेखा ने झालावाड़ राजस्थान निवासी आरोपियों से संपर्क किया। आरोपी बबली अपनी बहू नासरा, मोहम्मद हनीफ और विधि विरुद्ध बालक के साथ हुसैन टेकरी आई हुई थी। यहां आरोपियों की नजर हुसैन टेकरी क्षेत्र में रह रहे 1 साल की बालिका और उसके 8 साल के भाई पर पड़ी। आरोपियों ने बिस्किट का लालच देकर दोनों बच्चों को अपने पास बुलाया और उन्हें अपहरण कर साथ ले गए।

गुजरात में देने वाले थे

पुलिस के अनुसार आरोपी बच्चों को रशीद को देने वाले थे जहां से वह बच्चे गुजरात निवासी नर्स मेहजबीन बी को देता और नर्स निसंतान दंपत्ति को बेचने वाली थी, लेकिन उसके पहले ही रतलाम पुलिस आरोपियों तक पहुंच गई और बच्चों को सकुशल बरामद करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस बच्चा चोर गिरोह के मामले में और जांच कर रही है। पुलिस पता लग रही है कि इन्होंने पूर्व में भी इस तरह के और अपराध तो नहीं किए है।

एसपी कराएंगे बच्चों के नाम की एफडी

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अपहृत बच्चों का परिवार भी एसपी अमित कुमार से मिलकर उन्हें धन्यवाद देने के लिए आया। अपने खोए बच्चों के मिलने पर परिवार बहुत खुश था। एसपी अमित कुमार ने बच्चों के नाम से 55 हजार की एफडी कराने के भी निर्देश दिए।

सराहनीय भूमिका,एसपी ने की 30 हजार के पुरस्कार की अनुशंसा

संपूर्ण कारवाई में नगर पुलिस अधीक्षक जावरा दुर्गेश आर्मो के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मुनेन्द्र गौतम, उनि एल एन गिरी चौकी प्रभारी हुसैन टेकरी, उनि विजय बामनिया चौकी प्रभारी सरसी, उनि राकेश मेहरा, प्रआर मारकण्डेय मिश्रा, प्रआर विक्रमसिंह, प्रआर संजय आंजना आर अभिजीत, आर रविन्द्र चौहान, आर दीपराज, आर कमलेश डांगी, आर गोविंद पंवार, आर मनोज डाबी, आर मनोहर गायरी ,मआर रिंकु एवं सायबर सेल से उ नि राजा तिवारी प्रभारी सायबर सेल, प्र आर मनमोहन शर्मा, आर विपुल भावसार, आर मयंक व्यास एवं आर राहुल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

किसान की करंट से मौत, पिकअप में मटर भरते समय हादसा

रतलाम। गांव दंतोडिया में पिकअप वाहन में मटर भरते समय किसान की करंट लगने से मौत हो गई। ग्रामीणों को जब पता चला तो तुरंत किसान को लेकर रतलाम मेडिकल कॉलेज लेकर आए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। गुरुवार सुबह पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपा। बिलपांक थाना अंतर्गत दंतोडिया निवासी किसान कुंदन (28) पिता राधेश्याम पाटीदार की 11केवी लाईट के तार से करंट लगने से मौत हो गई। घटना बुधवार शाम की है। किसान

पिकअप में मटर के कट्टे भर रहा था। पिकअप में कट्टे डालने के दौरान बिजली की बड़ी लाइन के तार की चपेट में आ गया। तार 12 फीट ऊंचाई पर थे। इसी दौरान करंट लग गया। गांव के लोगों को खबर मिलते ही खेत पर पहुंचे। किसान को रतलाम मेडिकल कॉलेज लेकर आए। किसान को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सुबह पीएम के बाद शव लेकर परिजन व ग्रामीण गांव पहुंचे। मृतक कुंदन की एक 5 साल की बेटी व 2 साल का बेटा व पत्नी है। घर में मां है। पिता राधेश्याम का वर्ष 2017 में निधन हो चुका है। कुंदन अपने परिवार का का एक मात्र सहारा था। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने एमपीईबी के जिम्मेदार अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। गांव के सुरेश पाटीदार ने बताया कि खेतों में बिजली के तार काफी नीचे है। जिम्मेदारों को कई बार बोला गया। लेकिन कोई ध्यान नहीं देते। अगर जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं तो आंदोलन करेंगे। बिलपांक थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस आनंदको ने विशेष बच्चों के साथ मनाया

रतलाम। आनंद विभाग एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय स्वैच्छिक सेवा दिवस जनचेतना बधिर एवं मंदबुद्धि दिव्यांग मा विद्यालय में मनाया गया। जिला समन्वयक सीमा अग्निहोत्री ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस आयोजन का उद्देश्य गरीबी, बीमारी, अशिक्षा, पर्यावरण तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्वैच्छिक कार्यों के प्रति आम लोगो में जागरूकता फैलाना है। इससे देश में आर्थिक और सामाजिक विकास की भूमिका बलवती होती है।राज्य आनंद संस्थान से जुडे हुए आनंदक इसी स्वैच्छिक भावना के साथ आनंद के प्रसार में लगे हुए है। मास्टर ट्रेनर मधु परिहार, पुष्पेंद्र सिंह सिसौदिया ने दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां करवाई। इस अवसर पर नवविवाहित दंपत्ति आस्था वेदांत ओझा ने भी स्वल्पाहार द्वारा स्वैच्छिक सेवा का आनंद लिया। आनंदम सहयोगी सुरेंद्र अग्निहोत्री एवं संदीप नारले का विशेष सहयोग रहा। जनचेतना विद्यालय के सतीश तिवारी ने आनंद विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुलिस द्वारा चलाए जा रहा नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

रतलाम। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा (रा.पु.से.) के दिशा निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक यातायात अनिल कुमार राय, थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक संतोष चौरसिया, सूबेदार अनोखीलाल परमार, सउनि. सर्वेश दिवेदी, आर. 1045 शिव कुमार, सैनिक सलामत खान, सै.1102 विजय गोमे द्वारा 4 दिसंबर को नशामुक्ती अभियान के तहत दो बत्ती चौराहा, महुरोड बस स्टेण्ड, घोडा चौराहा, चौपाटी, सैलाना बस स्टेण्ड व सालखेडी आदी जगहो पर आने-जाने वाले लगभग 600 वाहनो बसों, ऑटो व मैजिक पर नशामुक्ति अभियान के पैम्पलेट्स चस्पा किये गये। साथ ही आमजन को किसी भी प्रकार का नशा नही करने की समझाई दी गई।

सीमांकन की रिपोर्ट देने के लिए पटवारी ने मांगी रिश्वत

पंचायत भवन में 40 हजार रुपए लेकर पैंट की जेब में रखे, लोकायुक्त ने रंगे हाथों पकड़ा

रतलाम।

रिश्वत लेते पटवारी को उज्जैन लोकायुक्त की टीम ने पकड़ा है। पटवारी ने जमीन सीमांकन के बाद पटवारी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी।

तय प्लान के मुताबिक पटवारी को 40 हजार रुपए देते ही गुरुवार दोपहर उज्जैन लोकायुक्त की टीम ने पटवारी को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। पटवारी ने रिश्वत राशि अपने हाथ में लेकर पैंट की जेब में रखी।

उज्जैन लोकायुक्त की यह कार्रवाई जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर गांव पंचेड़ में हुई है। लोकायुक्त डीएसपी सुनील तालान

ने बताया कि पंचेड़ निवासी गोपाल पिता बालमुकुंद उपाध्याय ने शिकायत की थी। भूमि के सीमांकन उपरांत पटवारी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के एवज में राशि मांग फायदा कराने की बात कही। शिकायत के आधार पर प्लान तय कर गुरुवार दोपहर ग्राम पंचायत भवन में रिश्वत लेते पटवारी रमेशचंद्र बैरागी को रंगे हाथों पकड़ा है।

50 हजार रुपए मांगे थे

पटवारी द्वारा रिश्वत के 50 हजार रुपए मांगे गए थे। पहले 40 हजार रुपए देना तय हुआ। 10 हजार बाद में देने को कहा। लोकायुक्त के तय प्लान के बाद फरियादी गोपाल ने पटवारी बैरागी को पंचेड़ के ग्राम पंचायत भवन बुलाया। यहां पर रिश्वत दी। रुपए लेकर पटवारी ने अपनी पेंट की जेब में रख लिए। पहले से मौजूद लोकायुक्त टीम को इशारा मिलते ही पटवारी को रुपए के साथ गिरफ्तार कर लिया। लोकायुक्त ने आरोपी पटवारी रमेश बैरागी के खिलाफ धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संसोधन 2018) के अधीन केस दर्ज कर लिया है।

टीम में यह रहे शामिल

लोकायुक्त की कार्रवाई पंचायत भवन पंचेड में जारी है। कार्रवाई में डीएसपी सुनील तालान एवं राजेश पाठक, हेड कांस्टेबल हितेश लालावत, कांस्टेबल संदीप कदम, श्याम शर्मा, इसरार खान, कमल पटेल आदि शामिल है।

35 गर्भवती माताओं की गोद भराई और 14 शिशुओं का कराया अन्नप्राशन संस्कार

गोद भराई कर नन्हें बच्चों का कराया अन्नप्राशन संस्कार

जावरा । अखिल विश्व गायत्री परिवार गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार से संचालित विश्व स्तरीय कार्य योजना आओं गढे संस्कार वान पीढ़ी व संस्कारों का पुर्नजागरण कार्यक्रम के तहत ग्राम मांडवी में महिला बाल विकास विभाग तथा गायत्री परिवार जिला समंवय समिति द्वारा संयुक्त रूप से 35 गर्भवती माताओं की गोद भराई एवं 14 नन्हें शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार कराया। सनातन ऋषि संस्कृति विश्व विद्यालय हरिद्वार से कीर्तिका जाधव, आरोही गुप्ता, प्रज्ञा कुमारी, आचार्य रजनी छप्री, कल्पना शाह, श्यामा गहलोत, किरण चौहान, महिला बाल विकास मांडवी के सहयोग से कार्यक्रम संपन्न कराया। मिडिया प्रभारी पं.शिवपाल छप्री ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मांडवी हनुमान मंदिर पर एक कुंडीय गायत्री यज्ञ के साथ वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया।

हम होगें कामयाब की थींम पर दी जानकारी

हम होगें कामयाब की थींम पर

उपस्थित जनसमुदाय को घरेलु हिंसा, बाल विवाह अधिनियम की जानकारी दी। साथ ही गर्भवती महिलाओं को उचित व समय पर आहार-विहार, खान-पान, सकारात्मक सोच, समय पर चिकित्सक परामर्श आदि की जानकारी देते हुए बेटी बचाओ-बेटी पढाओं की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम से लौटते समय ज्ञान ज्योति हाई स्कुल गोंदी धर्मसी में देव संस्कृति विश्व विद्यालय हरिद्वार की देव कन्याओं ने स्कुली बच्चों को योगा/प्राणायाम का प्रदर्शन तथा दैनिक दिनचर्या, संतुलित व सात्विक आहार-विहार की जानकारी प्रदान की।

इनकी रही उपस्थित

गायत्री परिवार के डॉ. आईपी त्रिवेदी, शंभुलाल पाटीदार, भावेश छपोला, मुकेश टांक, महिला बाल विकास सुपर वाईजर प्रेरणा चौहान, रेखा शर्मा, ललिता भाटी, इंद्रा चौहान, चंद्रकला शर्मा, सरपंच मंजुबाला शर्मा, उप सरपंच कैलाश श्रीमाल, जप प्रतिनिधि चंदरसिंह डांगी, समिति सदस्य नारायणसिंह डांगी, पप्पु पोरवाल, मंदिर पूजारी राधेश्याम शर्मा आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

टीबी मुक्त को लेकर ब्लड प्रेशर और शुगर की हुई जांच

जावरा । टीबी मुक्त भारत अभियान भारत सरकार की एक पहल है जिसका मकसद साल 2025 तक देश में टीबी को खत्म करना है। इस अभियान के तहत टीबी रोगियों के ईलाज में सुधार के लिए कई तरह की पहल की जा रही है, इसके लिए प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान एवं राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन अभियान के अंतर्गत पूरे देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए लगातार स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम एवं अनेक प्रकार के जनससाधनों का उपयोग कर कार्य को निरंतर गति दी जा रही है। इसी के तहत पिपलोदा विकासखंड के ग्राम पंचायत बड़ायला चौरासी में पंचायत स्तर पर स्वास्थ शिविर

आयोजित कर संपूर्ण ग्राम को टीबी मुक्त करने के उद्देश्य से नागरिकों के सैंपल एकत्रित कर जांच की जा रही है। साथ ही शिविर में ब्लड प्रेशर एवं शुगर की भी जांच की जा रही है। जिला युवा केंन्द्र रतलाम स्वायत्त शासी संस्था युवा मामले एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार सदस्य चंद्रप्रकाश पालीवाल ने इस मौके पर कहा पीएम नरेंद्र मोदी एवं भारत सरकार के साथ प्रदेश शासन व जनप्रतिनिधि, स्वास्थ अमला इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। भारत सरकार ने आयुष्मान कार्ड जैसी योजनाएं बनाई तथा अनेक जनकल्याण, स्वास्थ्य लाभ के कार्यक्रम चलाए जा रहे है। शिविर में बीएमओं डॉ. पवन पाटीदार, डॉ.जितेंद्र पाटीदार, सीएचओं गोपालसिंह, एएनएम मंजुला राठौर, आईसीटी काउंसलर जयदीपसिंह पंवार, लैब टेक्नीशियन विजय सोनी, पंचायत सचिव संजय मालवीय, जनपद प्रतिनिधि कमलेश धाकड़, सरपंच प्रकाश धाकड़, उपसरपंच मुकेश परमार, आशा कार्यकर्ता पुष्पा देवड़ा, ललित देवड़ा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुगन चौहान, मीनाक्षी जोशी, किशन जोशी, प्रेमलता चौहान, सहायक नरेंद्र धाकड़ एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

प्राध्यापकों ने स्कुली छात्र-छात्राओं से की काउंसलिंग

जावरा । शासकीय महाविद्यालय कालुखेड़ा द्वारा कॉलेज चलों अभियान के तहत मावता के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं की करियर काउंसलिंग की गई। इस दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने विद्यालय के कक्षा 11 वीं तथा 12 वीं के छात्र-छात्राओं को करियर के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। प्रो. हुमा परवीन मंसूरी ने छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय में उपलब्ध संकाय, विषय तथा सुविधाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की। प्रो. चेतन देवड़ा ने शासन द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में बताया। इस दौरान अनेक छात्र-छात्राओं की समस्याओं का समाधान भी किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मिलिंद डांगे द्वारा छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय भ्रमण का न्योता दिया गया। आभार विद्यालय प्राचार्य निनामा ने माना।

क्यो नही हुआ नक्शा संशोधन, लापरवाह अधिकारियों पर हो कार्रवाई

जन संघर्ष समिति का आरोप, जान बुझकर टु लेन पर फोरलेन के लिए अधिग्रहण भुमि का नही किया नक्शा सुधार

जावरा । तहसील के अधिकारियों द्वारा जान बुझकर जावरा-उज्जैन टु लेन पर फोरलेन के लिए की गई अधिग्रहण भुमि का नक्शा सुधार नही करने के कारण उससे होने वाले बडे पैमाने पर नुकसान को लेकर जन संघर्ष समिति ने जिलाधीश राजेश बाथम के नाम गुरूवार को एसडीएम त्रिलौचन गौड को आवेदन दिया। एसडीएम को बताया कि वर्तमान में भुतेड़ा के पास 8 लाईन दिल्ली-बाम्बे एक्सप्रेस वे से उज्जैन तक नवीन ग्रीन फिल्ड एक्सप्रेस वे राज्य शासन द्वारा निर्मित करवाया जा रहा है। वर्तमान में आहतगण को जानकारी मिली की शासन द्वारा 8 नवंबर 2024 को फोरलेन ग्रीन फिल्ड प्रस्तावित है, जिसके संबंध में समाचार पत्र में समय-समय पर खबर प्रकाशित हो रही है। जब जावरा-उज्जैन टु लेन का निर्माण किया जा रहा था उसी समय फोरलेन के लिए भुमि का अधिग्रहण शासन द्वारा किया गया था, उस मान से नक्शा संशोधन तहसील जावरा द्वारा नहीं किया गया, जिसके चलते जो नक्शा उपलब्ध था उस नक्शे में फोरलेन की भुमि छोड़कर हम आहतगण ने हमारी बरसो की कमाई

से वहा पर दुकान-मकान बनाकर अपना व्यवसाय स्थापित किया। वर्तमान में फोरलेन ग्रीन फिल्ड रोड़ के लिए निशानात कायम किए गए है, उससे आहतगण की गाड़ी कमाई का अरबों रूपये की खुली भुमि व निर्माण किए गए भाग का बड़ा नुकसान होने की आशंका है। समिति के असलम मेव व पदाधिकारियों का कहना है कि उक्त जावरा-उज्जैन टू लेन पर जब शासन द्वारा फोरलेन भुमि हेतु भुमि अधिग्रहित की गई थी उसका किन अधिकारियों द्वारा नक्शा संशोधन नही किया गया तथा जो भी इस गंभीर त्रुटि के जिम्मेदार अधिकारी है उनके विरूद्ध विभागीय जांच की जाकर उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाना चाहिए। ग्रीन फिल्ड फोरलेन जो जोयो होटल से भुतेड़ा तक प्रस्तावीत है का गंभीर विरोध भी अलग से जन संघर्ष समिति बनाकर किया जा रहा है, विधायक व नपाध्यक्ष द्वारा भी जन संघर्ष समिति की समस्या के अनुरूप समिति द्वारा प्रस्तावित बायपास फोरलेन का समर्थन जनहित में कर चुके है।

विधायक-नपाध्यक्ष द्वारा दिए प्रस्ताव करे पास

जन संघर्ष समिति, विधायक व नपाध्यक्ष द्वारा जिस फोरलेन बायपास का प्रस्ताव एमपीआरडीसी को दिया गया है उस प्रस्ताव अनुसार बायपास बनाया जाना जनहित तथा भविष्य में होने वाले विकास के हित में आवश्यक है। इस मौके पर मुकेशचंद्र धाकड़, राजेश धाकड़, पीरू धाकड, अब्दुल रहीम, सिकंदर, मुबारीक, सलीम, मुश्ताक, कमलेश धाकड़, जगदीश, गोपाल हरोर, एसएस राठौर, बाबुलाल, जगदीश आदि पीड़ित उपस्थित थे।

रोहित ने निभाई बेहतरीन टीम भावना

भारत का लक्ष्य गुलाबी गेंद टेस्ट में बेहतर साबित करना

एडिलेड (एजेंसी)। रोहित शर्मा शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे दिन/रात्रि टेस्ट में चोटिल लेकिन मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बढ़त हासिल करने के लिए सही संयोजन की तलाश में हैं, जिसमें भारत आगे से नेतृत्व करने के लिए एक कदम पीछे हटेगा। रोहित ने केएल राहुल को शीर्ष पर यशस्वी जायसवाल के साथ समायोजित करने के लिए खुद को क्रम में नीचे लाने का कठिन फैसला किया है। शुभमन गिल अंगूठे की चोट से उबर चुके हैं और रोहित के साथ टीम में वापस आएंगे। ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना मेहमान भारतीय टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की ओर ले जाता है, जिसने पर्थ में सीरीज के पहले मैच में सभी उम्मीदों को धता बताते हुए ऑस्ट्रेलिया को ऑप्टस स्टेडियम में पहली हार दी। हालांकि, डे-नाइट गेम मेहमान टीम के बल्लेबाजों के लिए एक अलग चुनौती पेश करता है, जिन्हें गुलाबी गेंद से उत्पन्न अतिरिक्त सीम मूवमेंट को नकारने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा, खासकर गोधूलि चरण में। ऑस्ट्रेलिया, जिसने अपने घरेलू मैदान पर 12 डे-नाइट टेस्ट में से केवल एक में हार का सामना किया है, पर्थ में हार से आहत होगा और 10 दिन का आराम मिलने के बाद, उन पर वापसी करने का दबाव होगा। रोहित और गिल देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की जगह प्लेइंग इलेवन को मजबूत करेंगे। गेंदबाजी विभाग में कोई बदलाव की उम्मीद नहीं है, हालांकि परंपरागत रूप से एडिलेड की पिच स्पिनरों के लिए मददगार रही है, जिससे आर अश्विन और रवींद्र जडेजा चर्चा में हैं। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के पास चिंता करने के लिए बहुत कुछ है क्योंकि उनका लक्ष्य श्रृंखला को बराबर करना है। पर्थ में उनके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट के कारण खेल से बाहर हो गए हैं। आमतौर पर सटीक प्रदर्शन करने वाले स्कॉट बोलैंड उनकी जगह लेंगे और अपनी बेहतरीन ऑफ-स्टंप चैनल गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं। यह बोलैंड का लगभग 18 महीनों में पहला टेस्ट होगा। कमिंस ने कहा, पारंपरिक रूप से यहां आमतौर पर थोड़ी सी कमी होती है जो जाहिर तौर पर स्कॉटी के लिए काफी अनुकूल है। एक कप्तान के रूप में स्कॉटी जैसे किसी व्यक्ति का आना बहुत बढ़िया है। आप जानते हैं कि अगर आपको जरूरत हो तो वह बहुत अधिक ओवर गेंदबाजी कर सकता है। वह बहुत ही सुसंगत है, उसने इस स्तर पर प्रदर्शन किया है, इसलिए वह खेलने के लिए तैयार है। कमजोर बल्लेबाजी लाइन-अप पर दबाव बढ़ रहा है, जिसे जसप्रीत बुमराह और कंपनी के खिलाफ कदम बढ़ाने की जरूरत होगी। स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन पर कड़ी नजर रखी जाएगी, दोनों ही ग्यारह में अपनी जगह बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी का डेब्यू बेहद खराब रहा और वह भी इसे बदलने के लिए बेताब होंगे।

यह देखना बाकी है कि मिशेल मार्श इस मैच में गेंदबाजी करते हैं या नहीं, क्योंकि वह अपनी चोटों से जूझ रहे हैं। मैच सुबह 9.30 बजे शुरू होगा।

गुलाबी गेंद लाल से ज्यादा असरदार होती है

भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिन/रात टेस्ट के दौरान गुलाबी कूकाबुरा गेंद से मिलने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए आपको खुद ही अपने तरीके अपनाने होंगे क्योंकि यह पारंपरिक लाल चेरी गेंद से ज्यादा असरदार होगी।

रोहित ने एडिलेड ओवल में टेस्ट की पूर्व संध्या पर संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि यह किसी और चीज से ज्यादा गेंद की गति के अभ्यस्त होने के बारे में है। आप लाल गेंद से खेलने के इतने आदी हो चुके हैं और गुलाबी गेंद निश्चित रूप से लाल गेंद से ज्यादा असरदार होती है। लेकिन अभ्यास का पुराना सिद्धांत व्यक्ति को निपुण बनाता है, यह रात के टेस्ट के लिए इस्तेमाल की जाने वाली विशिष्ट गेंद का सामना करते समय भी काम आता है।

केएल पारी की शुरुआत करेंगे और मैं मध्यक्रम में बल्लेबाजी करूंगा: रोहित

पर्थ में पारी की शुरुआत करते हुए केएल राहुल के धैर्य और शानदार तकनीक ने कप्तान रोहित शर्मा को रहे दिन-रात्रि टेस्ट में खुद को बल्लेबाजी क्रम में नीचे लाने और मध्यक्रम में कहीं बल्लेबाजी करने के लिए राजी कर लिया। भारतीय कप्तान ने गुरुवार को कहा कि वह उस संयोजन के साथ छेड़छाड़ नहीं करना चाहते, जिसने पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में टीम को सफलता दिलाई थी। रोहित ने पांच साल तक पारी की शुरुआत करने के बाद एक कदम पीछे हटने के अपने फैसले के बारे में स्पष्ट रूप से कहा, मैंने निचले क्रम में बल्लेबाजी करने का फैसला कैसे किया, आप जानते हैं, हम परिणाम चाहते हैं। हम सफलता चाहते हैं। वे तर्क के बारे में भी वस्तुनिष्ठ थे।

उदासी, उम्मीद और प्यार का जश्न

फिल्म गुलाबी सकारात्मक चर्चा बटोर रही है। पहले सप्ताह के अंत से ठीक पहले, निर्माताओं ने निखिल और अभिनेत्री मृणाल कुलकर्णी की शादी के सीक्वेंस को दर्शाते हुए एक गाना रिलीज करने का फैसला किया। जबकि कई लोगों को यह खूबसूरत और क्लासी लगा, इस सीक्वेंस ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है, जो हाल के दिनों में सबसे अच्छे मराठी विवाह सीक्वेंस में से एक के रूप में उभरा है।निखिल कहते हैं, «इस गाने के बारे में पहली बात जो आपको ध्यान में आएगी, वह है मराठी, राजस्थानी और पंजाबी लोकियों का मिश्रण, जिसे संगीत ने पूरी तरह से सपोर्ट किया। हैसाउंडट्रैक फिल्म के सबसे बेहतरीन पहलुओं में से एक है, जिसमें हर भावना के लिए एक गाना है - उदासी, उम्मीद और प्यार का जश्न।

सबको लगता है कि मैं मूडी हूं: कृतिका कामरा

आगामी दिनों में 'मटका किंग' वेब सीरीज में नजर आने वाली अभिनेत्री कृतिका कामरा भी अपने काम को लेकर सेलेक्टिव हैं। वह कहती हैं, 'सबको लगता है कि मैं मूडी हूं, इसलिए चूजी हूं। ऐसा नहीं है। सोच-समझकर चूजी रहना पड़ता है क्योंकि हमारी जो इंडस्ट्री है, वह कुछ उसूलों पर चलती है। उनमें से एक उसूल यह भी है कि आप अगर ओवर एक्सपोज होंगे, तो वह आपके लिए बुरा है।' टीवी धारावाहिकों में रोमांटिक भूमिकाओं से शुरुआत करने वाली कृतिका कामरा ओटीटी पर गैंगस्टर बन गई हैं और अब वे दिखेंगी 'मटका किंग' में। मुंबई की चमकीली दुनिया से मिली सीख के बारे में उन्होंने बातचीत की। कई कलाकार चुनिंदा काम करना ही पसंद करते हैं। ओवर एक्सपोज का मुद्दा साफ करते हुए कृतिका कहती हैं कि अगर आप एक ही तरह के रोल करते रहेंगे, तो आपको स्टीरियोटाइप कर दिया जाएगा। कई चीजें हैं, जो सोचनी पड़ती है। एक्टिंग तो कलाकारों को सबसे आसान लगती है, उसके अलावा जो करियर मैनेजमेंट करना पड़ता है, वह कठिन काम होता है। खासकर तब, जब आपके पास मार्गदर्शक न हो। वे अपना अनुभव स्पष्ट करती हैं, 'मैं आउटसाइडर रही हूं।मेरे परिवार का फिल्मों से कोई रिश्ता नहीं था। आप अपने ही अनुभवों और गलतियों से सीखते हैं। मैं अपने नियंत्रण में रहना चाहती हूं। मैं कोई भी ऐसी चीज नहीं करना चाहती हूं, जिसे लेकर मुझे पछतावा हो, इसलिए मैं फूंक-फूंककर कदम रखती हूं।'क्या स्टीरियोटाइपिंग से बचना इस इंडस्ट्री में बहुत मुश्किल है? इस पर कृतिका कहती हैं, 'अगर मुझे स्टीरियोटाइप ही करना है तो एक मजबूत लड़की, जो अपना दिमाग इस्तेमाल करती है या फिर अपनी राय देने से पीछे नहीं हटती है, उस छवि में बांध दो, मुझे कोई दिक्कत नहीं है। वह टैग मुझे पसंद है। वैसे किरदार देखने को नहीं मिलते हैं।अब आधुनिक महिला की भूमिका-चाहे वह कामकाजी हो या गृहणी हो- निभाने में मुझे कोई दिक्कत नहीं है।

आदित्य रेडिज राजाकृष्णदेवराय की भूमिका निभाएंगे

शो तेनाली रामा 16 दिसंबर को रात 8 बजे लॉन्च होने वाला है। शो के निर्माताओं ने प्रतिभाशाली आदित्य रेडिज की एंट्री के साथ एक और प्रमुख कलाकार को जोड़ा है, जो प्रतिष्ठित राजा कृष्णदेवराय (केडीआर) की भूमिका निभाएंगे। अपनी प्रभावशाली स्क्रीन उपस्थिति और बेजोड़ अभिनय के लिए अपनी अलग पहचान रखने वाले आदित्य भारत के सबसे लोकप्रिय और डायनामिक राजाओं में से एक को जीवित करने के लिए तैयार हैं।इतिहास में प्रसिद्ध राजा कृष्णदेवराय भारतीय इतिहास के सबसे महान शासकों में से एक थे और निडर व न्यायप्रिय सम्राट थे जिन्होंने विजयनगर साम्राज्य की संप्रभुता को सुनिश्चित किया।

वन मंत्री बनने कई मंत्रियों ने शुरू की लॉबिंग

विजयपुर उपचुनाव में हार के बाद रामनिवास रावत का वन मंत्री पद से इस्तीफा मंजूर

विजय शाह-संपतिया उइके मजबूत दावेदार, नागर सिंह का नाम भी दौड़ में

इंदौर। विजयपुर विधानसभा उपचुनाव में हारके बाद वन मंत्री राम निवास रावत का इस्तीफा मंजूर हो गया है। इसी के साथ प्रदेश में अगल वन मंत्री के लिए कयासों का दौर शुरू हो गया है। इस पद के लिए पीएचई मंत्री संपतिया उइके और विजय शाह की दावेदारी सबसे मजबूत मानी जा रही है। वहीं पूर्व वन मंत्री नागर सिंह चौहान भी दौड़ में शामिल हैं। वन मंत्री रह चुके कुंवर विजय शाह का दो दिन पहले एक वीडियो भी सामने आया था।

इसमें जब शाह से पूछा गया कि रावत के इस्तीफे के बाद वन मंत्री का पद खाली है, क्या वे वन मंत्री बन सकते हैं। इस पर शाह बिना कोई जवाब दिए मुस्कुरा कर चल दिए थे। वहीं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अपने पास कई महत्वपूर्ण विभाग रखे हैं। इसमें सामान्य प्रशासन विभाग के अलावा गृह, जेल विभाग, औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन, जनसंपर्क, नर्मदा घाटी विकास विभाग, विमानन, खनिज, लोक सेवा प्रबंधन, प्रवासी भारतीय विभाग शामिल हैं। विभागों के नए बंटवारे में सीएम अपने पास से भी कुछ विभाग दूसरे मंत्रियों को दे सकते हैं।

गौरतलब है कि नागर सिंह चौहान को हटाकर राम निवास रावत को वन मंत्री बनाया गया था। लेकिन वे उपचुनाव हार गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विदेश दौरे से लौटने के बाद 2 दिसंबर को रावत के इस्तीफे को अनुशंसा के लिए राज्यपाल मंगूभाई पटेल के पास भेजा था। बुधवार देर शाम राजभवन की ओर से इस्तीफे की मंजूरी की प्रक्रिया पूरी कर ली गई।

रावत का इस्तीफा मंजूर होते ही अब नए वन मंत्री की तलाश शुरू हो गई है। वन्य प्राणियों से जुड़े इस महकमे को पाने के लिए दूसरे मंत्री भी तैयार हैं। रावत कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए और वन मंत्री रहते हुए चुनाव लड़ा था। सूत्रों की माने तो ऐसे में सरकार उन्हें जल्द ही किसी नए पद की जिम्मेदारी दे सकती है। रावत का इस्तीफा मंजूर होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि यह महत्वपूर्ण महकमा किसे मिलेगा...?

नया चेहरा या किसी मंत्री को ही जिम्मेदारी?

मंत्रिमंडल में रावत के इस्तीफे के बाद मोहन कैबिनेट में अब कुल 32 मंत्री हैं। विधानसभा सदस्यों की संख्या के हिसाब से संवैधानिक व्यवस्था के मुताबिक अधिकतम 35 मंत्री (मुख्यमंत्री सहित) रह सकते हैं। इस हिसाब से 3 मंत्रियों की गुंजाइश है, लेकिन मंत्रिमंडल विस्तार की फिलहाल कोई संभावना नहीं दिख रही है। ऐसी राजनीतिक परिस्थितियां भी नहीं हैं कि संगठन या सरकार के लिए विस्तार मजबूरी हो। इसकी संभावना ज्यादा है। किसी आदिवासी मंत्री को यह जिम्मेदारी मिल सकती है, क्योंकि रावत से पहले यह विभाग आदिवासी मंत्री नागर सिंह के पास ही था। नागर सिंह भी खुलकर दावेदारी कर चुके हैं। आदिवासी चेहरों में पीएचई मंत्री संपतिया उइके प्रबल दावेदार हैं। आदिवासियों से जुड़े मुद्दों के मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव फील्ड में उन्हें आगे करते रहे हैं। इससे सरकार महिला और आदिवासी दोनों वर्गों में मैसेज देगी। दूसरे दावेदार जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह हैं जो दिल्ली तक लॉबिंग कर चुके हैं। शिवराज सरकार में वन विभाग उनके पास रह चुका है।

परिणाम आते ही दिया था इस्तीफा

वनमंत्री राम निवास रावत ने 23 नवंबर को विजयपुर विधानसभा उपचुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद उसी शाम मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि तब से इस पर फैसला पेंडिंग था। मुख्यमंत्री 24 नवंबर को विदेश के लिए रवाना हो गए और तीस नवंबर को भोपाल लौटे। इसके बाद रावत की उनसे मुलाकात हुई और अब इस्तीफे को मंजूरी मिली है। रावत का इस्तीफा दो दिसंबर को मंजूर किया गया। इसका नोटिफिकेशन सामान्य प्रशासन विभाग ने 4 दिसंबर को जारी किया।

सीएम डॉ मोहन यादव के जर्मनी और यूके से 30 नवंबर को भोपाल लौटने के बाद मंत्री रावत ने उनसे मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि सीएम से मुलाकात के बाद ही इस्तीफे को स्वीकार करने पर अंतिम फैसला हुआ है। सीएम यादव की अनुशंसा के बाद इस्तीफा राजभवन को भेजा गया।

निर्मला सप्रे की सदस्यता रद्द करने की है मांग

हाईकोर्ट ने स्वीकार की नेता प्रतिपक्ष की याचिका

इंदौर। मध्य प्रदेश की विधायक निर्मला सप्रे की सदस्या से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। हाईकोर्ट ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की याचिका स्वीकार कर ली है। दरअसल, उमंग सिंघार ने निर्मला सप्रे की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग की है। इस मामले में 9 दिसंबर को इंदौर हाईकोर्ट में सुनवाई होगी।

सागर जिले की बीना विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे ने लोकसभा चुनाव के दौरान बीजेपी पार्टी मुख्यमंत्री और भाजपा विधायकों की मौजूदगी में ज्वाइन की थी। इसके बाद से कांग्रेस इस्तीफे की मांग कर रही है, लेकिन उनकी तरफ से अब तक इस्तीफा नहीं दिया गया है। कांग्रेस ने पिछले विधानसभा सत्र के दौरान निर्मला सप्रे और रामनिवास रावत के खिलाफ विधानसभा अध्यक्ष से सदस्यता रद्द करने के लिए शिकायत की थी। रामनिवास रावत ने तो इस्तीफा दे दिया था, लेकिन निर्मला सप्रे ने इस्तीफा नहीं दिया था। विधानसभा अध्यक्ष को की गई शिकायत में 3 महीने बीत जाने के बाद भी कोई फैसला नहीं हुआ था।

हाईकोर्ट में 9 दिसंबर को होगी सुनवाई

अब नियमों के अनुसार 3 महीने में फैसला नहीं होने के बाद कांग्रेस के पास कोर्ट का रास्ता साफ हो गया था। जिसके बाद कांग्रेस ने कोर्ट का रुख किया है, जिसको लेकर 9 दिसंबर को सुनवाई होगी। निर्मला सप्रे भाजपा दफ्तर पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने भी कई बार पहुंच चुकी है, जब उनसे सदस्यता को लेकर सवाल पूछा जाता है तो वह वक्त आने पर फैसला लेने की बात कहती हैं।

श्रमिकों को अप्रैल से मिले बढ़े वेतन का लाभ

मप्र कर्मचारी मंच ने श्रमायुक्त से की मांग

इंदौर। हाईकोर्ट का स्थगन हटने के बाद प्रदेश के 8 लाख श्रमिकों को बढ़े हुए वेतन का लाभ मिलने का रास्ता साफ हो गया है। सरकार ने अप्रैल 2024 से वेतन में वृद्धि की थी और फिर रोक लग गई थी। इसलिए मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने अप्रैल 2024 से ही वेतन और 9 माह का एरियर दिलाने की मांग श्रमायुक्त से की है। मंच के अध्यक्ष अशोक पांडे का कहना है कि मंच के आंदोलन के बाद दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों का वेतन फिर से बढ़ाया गया है।

पांडे ने बताया कि इस संबंध में श्रमायुक्त को पत्र लिखा गया है। वे कहते हैं कि इस वेतन का सही फायदा तब ही है जब इसे अप्रैल से ही दिया जाए और अप्रैल से नवंबर तक का एरियर दिया जाए। इन 9 महीनों में श्रमिकों को 14,625 से 21,906 रुपए का नुकसान हुआ है। यह राशि एरियर के रूप में मिलनी चाहिए।

पांडे ने बताया कि इंदौर उच्च न्यायालय में प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी, श्रमिकों की जीत हुई है। इंदौर हाईकोर्ट ने वेतनवृद्धि का लाभ 1 अप्रैल 2024 से देने का निर्णय पारित किया है। अब प्रदेश के अकुशल श्रमिकों को 11800 रुपए, अर्द्धकुशल श्रमिकों को 12996 रुपए, कुशल को 14,519 रुपए एवं उच्च कुशल श्रमिकों को 16144 रुपए वेतन मिलेगा। अगला वेतन निर्धारण 1 अप्रैल 2025 से किया जाएगा।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com